पो. रजि. नं. जयपुर सिटी/011/2021-2023, आरएनआई रजि नं. 48910/91 fb/seemasandesh1951 seemasandesh1951@gmail.com ☎ 0141-2700113 ▪ जयपुर-श्रीगंगानगर (राज.) से एक साथ प्रकाशित ▪ जोधपुर, कोटा, नागौर से प्रसा

आत्म सम्मान की रक्षा हमारा पहला धर्म होना चाहिए।
-प्रेमचंद

1951 में स्थापित

सीमा सन्देश

ताकत किसान की, जवान की

संस्थापक स्व. श्री कमल नयन शर्मा

▪ वर्ष : 31 ▪ अंक : 326 ▪ मूल्य : रु. 2.00 ▪ पृष्ठ : 08 जयपुर, शुक्रवार, 27 मई, 2022 ऑनलाइन पढ़ें : epaper.seemasandesh.in

राज्यपाल ने सर्वेश्वर... 8

सीरी द्वारा विकसित मैग्नेट्रॉन टेक्नोलॉजी : कैंसर उपचार के लिए उपयोगी है यह टेक्नोलॉजी

भारत सरकार के प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने किया बेंगलूरू की कंपनी से समझौता

पिलानी (सीमा सन्देश सं)। सीरी पिलानी द्वारा विकसित एस बैंड ट्यूनेबल मैग्नेट्रॉन फॉर पार्टिकल एक्सलरेटर्स टेक्नोलॉजी के व्यावसायिक विकास और वाणिज्यीकरण के लिए भारत सरकार के टेक्नोलॉजी डेवलपमेन्ट बोर्ड ने 25 मई, 2022 को मैसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., बैंगलूरू से समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया।

संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी वैज्ञानिक रमेश बौरा ने बताया कि विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं परियोजना प्रमुख, मैग्नेट्रॉन डॉ शिवेन्द्र मौर्य के अलावा टेक्नोलॉजी डेवलपमेन्ट बोर्ड के सचिव राजेश पाठक और मैसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज के प्रबंध निदेशक जी वी सुब्रह्मण्यम एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। गौरतलब है कि सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिकों ने इस अत्यंत महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी का विकास किया है और भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए संस्थान द्वारा विकसित इस प्रौद्योगिकी की तकनीकी तकनीकी जानकारी का हस्तांतरण जुलाई 2020 में मैसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज को किया था ताकि इससे देश में उपलब्ध रेडियोथैरेपी मशीनों में स्वदेशी मैग्नेट्रॉन का उपयोग किया जा सके। अभी इन मशीनों में आयात किए गए मैग्नेट्रॉन का ही उपयोग होता है। कल हुए एम ओ यू के अंतर्गत भारत सरकार का टेक्नोलॉजी विकास बोर्ड मेसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज को इस टेक्नोलॉजी की मदद से कैंसर के उपचार में उपयोगी रेडियोथैरेपी मशीनों का निर्माण करने के लिए आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राप्त कराने के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने डॉ शिवेन्द्र मौर्य सहित संस्थान की मैग्नेट्रॉन टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।